आज का पुरुषार्थ by Suraj Bhai

Date: 13 March 2022 **Website**: www.shivbabas.org

धारणा – *आज प्रभु मिलन पर बाबा की याद में समाये रहने का पुरुषार्थ करे*

आज हम सभी के लिए स्वर्ण अक्षरों में लिखे जाने वाला दिवस है। अपने भाग्य को देखकर मुस्कुराये। स्वयं भाग्य-विधाता अपना धाम छोड़कर अपने बच्चों से हमसे मिलने आ रहे है।

हमें अपनी प्यार की पालना देने आ रहे है। हमें सुन्दर गाइडलाइन देने आ रहे है।

क्या कभी ऐसा सोचा था कि भगवान से इसतरह हम सम्मुख देखेंगे। वो कैसे एक्ट करता है, वो कैसे बोलता है। वो कैसे चलता है, कैसे देखता है, यह सब इन आखों ने देखा।

धन्यवाद करे बाबा को, शुक्रिया करे अपने जीवन का। खुशी में झूम उठे अपने भाग्य को देखकर ....

" वाह् मेरा भाग्य .. आज स्वयं भगवान पुनः मुझसे मिलने आ रहे है "

और अभ्यास भी ऐसे ही करेंगे ...

जैसे ही आँख खुली और संकल्प किया ....

" **मेरे जैसा भाग्यवान कोई नहीं** .. जिसकी पालना स्वयं भगवान करते है .. जिसको जन्म ही स्वयं भगवान ने दिया है .. जिसके मात-पिता स्वयं ब्रह्मा और शिव है .. जिसको सुन्दर परिवार, ब्राह्मण परिवार, इष्ट देव देवियों का परिवार है "

" मेरे जैसा भाग्यवान कोई नहीं .. क्योंकि आज स्वयं भगवान मुझसे मिलने आ रहे है "

सवेरे उठते ही और फिर विजुयालाइज करेंगे कि ...

" स्वयं ज्ञान सूर्य मुझसे मिलने के लिए नीचे उतर रहे है "

उन्हें नीचे उतरते हुए देखेंगे और देखे कि ...

" वो हमारे बिल्कुल सम्मुख .. मोस्ट ब्युटीफूल .. सत्यम शिवम सुन्दरम .. जिसके अधिक सुन्दर कोई नहीं .. वो महाज्योती .. डिवाइन लाइट "

जिनकी उपस्थिति परम आनन्द का अनुभव कराता है, वो हमारे समक्ष है .....

" उनकी किरणें .. आनन्दकारी वायब्रेशन्स मुझ पर पड़ रही है "

आज सारा दिन अनेक बार इसका सुन्दर अनुभव करेंगे। बार-बार बाबा को अपने सम्मुख देखेंगे और अपने भाग्य का गुणगान करेंगे।

बाबा ने अपने महावाक्य में बता दिया था .....

" मैं तुम्हें अपना सम्पूर्ण ज्ञान देकर साईलेन्ट हो जाता हूँ "

तो बाबा ने तो हमें अपना सम्पूर्ण ज्ञान दे ही दिया अब तो उन्हें साईलेन्ट होकर अपने घर जाने का समय नजदीक आता जा रहा है।

इसलिए वो केवल अब दृष्टि देते है और अपने प्यार की बरसात करते है। हम आवाज़ को न देखकर अपनी स्थिति को बनायेंगे। और बाबा के उस

परम प्यार को अनुभव करेंगे। उनकी श्रेष्ठ भावनाओं को फ़ील करेंगे जो वो अपने महान बच्चों के लिए रखते है।

तो आज सारा दिन इस सुन्दर अभ्यास में हम बितायेंगे। और अपने जीवन को महान बनाने के लिए, अपने पुरूषार्थ की गति को तीव्र करने के लिए आज पुनः एकबार श्रेष्ठ प्रेरणायें लेंगे।

क्योंकि समय बदलता जा रहा है। संगमयुग का पार्ट भी अब तेजी से बदलेगा। किसी ने साकार में उनके पार्ट को देखा, किसी ने अव्यक्त में उनके महान पार्ट को देखा। और अव्यक्त पार्ट को भी बदलते हुए देखा। और कोई केवल अब आये है जिन्हें वह महान पार्टस का कोई अनुभव नहीं है।

वो इसको ही एन्जॉय करे। और संकल्प करे कि

" मुझे बाबा से अधिक से अधिक ले लेना है "

अब जीवन को ऐसा परिवर्तित करना है कि ...

" मेरे ही अपने कोई संस्कार मेरे मार्ग में बाधक न रह जाये .. मेरी अपनी कोई कमी मुझे ईश्वरीय प्राप्तियों से वंचित न करती रहे "

तो दृढ़ संकल्प के साथ अति उमंग उत्साह के साथ हम आज का दिन व्यतीत करेंगे। और बाबा से बहुत सुन्दर प्रेरणायें लेंगे।

तो आज का दिन यह प्रभु मिलन यादगार बन जाये। जीवन को पल्टाने वाला महान दिवस बन जाये।

।। ओम शान्ति ।।

BK Google: www.bkgoogle.org

Website: www.shivbabas.org